कभी प्यासे को पानी पिलाया नहीं | By Ashok Shauq

कभी प्यासे को पानी पिलाया नहीं,
बाद अमृत पिलाने से क्या फायदा।

कभी भूखे को भोजन खिलाया नहीं,
भोग रब को लगाने से क्या फायदा॥

ओ मैंने लोगों की बढ़-चढ़कर सेवा है की,
सेवा करते हुए ये ख्याल आ गया।

कभी माँ-बाप की सेवा करी ही नहीं,
फिर यूँ सेवा कमाने से क्या फायदा॥

मैंने अपनी खुदी को उठाया मगर,
दूसरों के लिए ये ख्याल आ गया।

कभी गिरते हुए को उठाया नहीं,
खुद को ऊँचा उठाने से क्या फायदा॥

धरम क्या है असल में यही सोचकर,
"शौक" दिल में ज़रा ये ख्याल आ गया।

गर दया न करी और क्षमा न किया,
फिर तो धर्मी कहाने से क्या फायदा॥

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%ad%e0%a5%80-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%aa%e0%a4%bf%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%af%e0%a4%be-2/